संख्या-136/2023/1605/22-2-2022-17(1184)/2022

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 12 अप्रैल, 2023

विषय:- केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जटाशंकर पुत्र श्री शान्ति स्वरूप, निवासी जनपद-लखनऊ की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-14703/प्रोबे0-5-दया0 बैठक-16-03-2022 दिनांक 09.05.2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जटाशंकर पुत्र श्री शान्ति स्वरूप, अनेरेया, थाना-नगराम, जनपद-लखनऊ का निवासी है। लक्ष्मीकांत उर्फ छोटे भईया को 1995 में आजीवन कारावास की सजा हुई थी, और वह जमानत पर था। इसी रंजिश के कारण दिनांक 28.08.1995 को 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर धारदार हथियार से मारकर लक्ष्मीकान्त उर्फ छोटे भईया की हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-474/1997 में भा0द0वि0 की धारा-302/34 के अन्तर्गत मा0 विशेष न्यायाधीश, आवश्यक वस्तु अधिनियम, लखनऊ के आदेश दिनांक 27.02.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा दिनांक 05.12.2021 तक 13 वर्ष 09 माह 29 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष 09 माह 11 दिन की सपरिहार सजा काटी गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ ने बंदी द्वारा हत्या किये गये व्यक्ति के परिवार जन द्वारा विरोध किये जाने, पुन: अपराध करने का अवसर होने की आख्या अंकित करते हुए बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा उल्लेख किया गया है कि बंदी की उम्र 58 वर्ष तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं पर सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी जटाशंकर (बन्दी संख्या-118/2017) पुत्र श्री शान्ति स्वरूप, निवासी जनपद-लखनऊ की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या-136/2023/1605(1)/22-2-2022 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ।

2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, वाराणसी।

3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।

5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।